www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 लद्दाख के जेन-जेड क्रांति से सबक सीखे...

3 मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में हाईटेक...

4 'आपकी गौरवशाली वर्दी का रंग भले ही बदल...

वर्ष: 9 | अंक: 334 | दिल्ली, शनिवार, 27 सितम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूरा बैन लगाना संभव नहीं!

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध में संशोधन पर निर्णय ले। इस बीच, कोर्ट ने प्रमाणित ग्रीन पटाखों के निमार्ताओं, जिनके पास NEERI और PESO से परमिट हैं, को दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बनाने की अनुमति दे दी, बशर्ते कि वे एनसीआर में न बेचे जाएँ। कोर्ट ने कहा कि इस बीच, हम उन निमार्ताओं को पटाखे बनाने की अनुमति देते हैं जिनके पास NEERI और PESO द्वारा प्रमाणित हरित पटाखे हैं। हालाँकि, इसके लिए निर्माताओं को इस न्यायालय के समक्ष यह वचन देना होगा कि इस न्यायालय द्वारा पारित अगले आदेश तक, वे निषिद्ध क्षेत्रों में अपने कोई भी पटाखे नहीं बेचेंगे। न्यायालय इस मामले पर अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने एमसी मेहता मामले में यह आदेश पारित किया।

मछली पालन के लिए बिहार सरकार दे रही है निशुल्क प्रशिक्षण

बिहार (एजेन्सी)। मछली पालन के जरिए आर्थिक रूप से सशक्त बनने की चाहत रखने वालों के लिए बिहार सरकार एक बेहतर मौका लेकर आई है। बिहार सरकार मछली पालन के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण देने जा रही है। इसके लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने मत्स्य प्रशिक्षण एवं प्रसार योजना 2025-26 के तहत आवेदन आमंत्रित किया है। सरकार की इस पहल से न सिर्फ मछली पालकों की आय में वृद्धि होगी बल्कि मत्स्य उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा। मत्स्य प्रशिक्षण एवं प्रसार योजना का लाभ लेने के लिए https://fisheries.bihar.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2025 है। यह मत्स्य प्रशिक्षण पूर्णतः निःशुल्क है, जिसमें लाभार्थी के निबंधन शुल्क के अतिरिक्त कोई भी राशि नहीं ली जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरूआत की

जब एक महिला आगे बढ़ती है, तो पूरा समाज आगे बढ़ता है: प्रधानमंत्री

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के पावन अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बिहार की महिलाओं के साथ इस उत्सव में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ हो रहा है। श्री मोदी ने बताया कि 75 लाख महिलाएं पहले ही इस पहल से जुड़ चुकी हैं। उन्होंने घोषणा की कि इन 75 लाख महिलाओं में से प्रत्येक के बैंक खातों में एक साथ 10,000 रुपये हस्तांतरित किए जा चुके हैं।

श्री मोदी ने कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान उनके मन में दो विचार आए। पहला, उन्होंने कहा कि आज का दिन बिहार की महिलाओं और बेटियों के लिए सचमुच एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। जब कोई महिला रोजगार या स्वरोजगार से जुड़ती है, तो उसके सपनों को नए पंख लगते हैं और समाज में उसका सम्मान बढ़ता है। दूसरा, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अगर सरकार ने ग्यारह साल पहले जन-धन योजना शुरू करने का संकल्प न लिया होता, अगर 30 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने इस योजना के तहत बैंक खाते न खोले होते, और अगर ये खाते मोबाइल फोन और आधार से न जुड़े होते, तो आज इतनी धनराशि सीधे उनके बैंक खातों में स्थानांतरित करना संभव नहीं होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस बुनियादी ढांचे के बिना, धनराशि रास्ते में ही खो जाती, जिससे लाभार्थियों के साथ घोर अन्याय होता। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक भाई को सच्ची खुशी तब मिलती है जब उसकी बहन स्वस्थ, समृद्ध और उसका परिवार आर्थिक रूप से मजबूत हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक भाई इस खुशहाली को सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि आज दो भाई, मैं और श्री नीतीश कुमार, बिहार की महिलाओं की सेवा, समृद्धि और सम्मान के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज का कार्यक्रम इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि जब उन्हें पहली बार मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की परिकल्पना से परिचित कराया गया था, तब वे इससे बहुत प्रभावित हुए थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस योजना के तहत प्रत्येक परिवार में कम से कम एक महिला लाभार्थी होगी। 10,000 रुपये की शुरूआती वित्तीय सहायता से शुरू होकर, यह योजना उद्यम की सफलता के आधार पर 2 लाख रुपये तक प्रदान कर सकती है। श्री मोदी ने सभी से इस पहल की महत्ता पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बिहार की महिलाएं अब किराने का सामान, बर्तन, सौंदर्य प्रसाधन, खिलौने और स्टेशनरी बेचने की दुकानें खोल सकती हैं। वे पशुपालन और मुर्गीपालन जैसे पशुधन से संबंधित व्यवसाय भी कर सकती हैं। इन सभी उपक्रमों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार में पहले से ही स्वयं सहायता समूहों का एक मजबूत नेटवर्क है, जिसमें लगभग 11 लाख समूह सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसका मतलब है कि एक सुस्थापित प्रणाली पहले से ही मौजूद है।

रामलीला से मिली ऊर्जा विकसित दिल्ली के संकल्प को करेगी मजबूत: इन्द्राज

डांडिया नाईट में सिंगर शिबानी कश्यप ने दी भावपूर्ण प्रस्तुति

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। डीडीए रामलीला ग्राउंड, सेक्टर-23 रोहिणी में चल रही सनातन संस्कारम रामलीला में गुरुवार को राम बारात, महारास रात्रि और श्याम बाबा की श्रृंगार झांकी का विशेष आयोजन हुआ। रामलीला समिति के चेयरमैन एवं दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि थीम 'समृद्ध भारत' है, जिसके माध्यम से हम नई पीढ़ी को भारत के प्राचीन गौरव और आने वाले उज्ज्वल भविष्य से परिचित करा रहे हैं। इस अवसर पर नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने भी धार्मिक आयोजनों में सहभागिता की।

भव्य राम बारात रोहिणी सेक्टर-23 और 24 में निकाली गई, जहाँ स्थानीय निवासियों ने पूजन-अर्चन कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। डांडिया नाइट में प्रसिद्ध गायिका शिबानी कश्यप ने अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके गीतों पर लोगों ने उल्लासपूर्वक डांडिया खेला और उत्सव का आनंद लिया।

सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि समृद्ध एवं विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब संस्कृति और समाज साथ-साथ आगे बढ़ें। रामलीला हमें यही संदेश देती है कि आस्था और विकास दोनों एक ही यात्रा के दो महत्वपूर्ण पहलू हैं।

रामलीला के हर पात्र में हमें अपने जीवन में त्याग, कर्तव्य और सेवा का मार्गदर्शन मिलता है। उन्होंने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं और कलाकारों को बधाई देते हुए कहा कि रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम है।

श्री इन्द्राज ने कहा कि रामलीला हमारी सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। यह केवल अतीत की गाथा नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा भी है, जहाँ आदर्श, नैतिकता और नारी सम्मान जैसे मूल्यों को हम नई पीढ़ी तक पहुँचाते हैं। इससे हमें वो ऊर्जा मिलती है जो विकसित दिल्ली के संकल्प को मजबूत करती है। कैबिनेट मंत्री ने यह भी बताया कि सेवा पखवाड़े को केंद्र में रखते हुए, आयोजन में नशा मुक्ति, विकसित दिल्ली संकल्प, वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी उत्पादों, स्वच्छता, जल संरक्षण और हरित दिल्ली जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक संदेशों का भी व्यापक प्रसार किया जा रहा है।

ओम बिरला ने हरियाणा विधानसभा द्वारा आयोजित विधायी प्रशिक्षण कार्यशाला का किया उद्घाटन

स्पष्ट और पारदर्शी कानून ही लोकतंत्र की आत्मा-ओम बिरला

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधायी ड्राफ्टिंग लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है। स्पष्ट, सरल और पारदर्शी कानून ही लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाते हैं और जनता का विश्वास शासन-प्रशासन में और अधिक मजबूत करते हैं। समय के साथ बदलती परिस्थितियों के अनुरूप कानूनों में संशोधन और नए कानूनों का निर्माण आवश्यक है। हमारा प्रयास है कि हम बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करके आने वाले समय में ऐसे विधायी मसौदे तैयार कर सकें, जो नागरिकों के कल्याण और राज्य के विकास के लिए अधिक प्रभावी साबित हों।

लोकसभा अध्यक्ष हरियाणा विधानसभा द्वारा लोकसभा की संविधान एवं संसदीय अध्ययन संस्थान के सहयोग से चंडीगढ़ सेक्टर–26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान में विधायी प्रारूपण एवं क्षमता संवर्धन विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करने उपरांत संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर फरीद, हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ कृष्ण लाल मिड्ढा उपस्थित रहे। श्री बिरला ने कहा कि हरियाणा की धरती लोकतांत्रिक मूल्यों की सदैव प्रहरी रही है। इस राज्य ने आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, औद्योगिक और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर देशभर में अपनी विशेष पहचान बनाई है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों की सभी फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदकर एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार लगातार लोगों के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए जवाबदेही और कानून के शासन को सुदृढ़ कर रही है। हमें भी सामूहिक प्रयासों के साथ अच्छा विधायी मसौदा तैयार करने के दृष्टिकोण से काम करना है ताकि कानून अपने उद्देश्य को पूरी तरह से पूरा कर सके। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत का संविधान आज भी हम सभी के लिए एक सशक्त मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। इसके निर्माण की प्रक्रिया एक लंबी चर्चा, विस्तृत संवाद और सहमति-असहमति के दौर से गुजरी। हर विषय पर गहन बहस हुई, लेकिन अंततः सर्वसम्मति से वह संविधान बना, जो उस समय की परिस्थितियों के अनुरूप था। उस दौर में संविधान ने देश का मार्गदर्शन किया, और आज भी यह हमारे लिए जीवंत रूप में प्रेरणा और दिशा देने का कार्य कर रहा है।

संविधान ने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की स्पष्ट शक्तियाँ निर्धारित की हैं, और इन्हीं सीमाओं में रहकर संसद एवं विधानसभाएँ जनता की आकांक्षाओं को कानूनी स्वरूप देती हैं।

दिल्ली विधानसभा में विट्ठलभाई पटेल की विरासत और शहीद भगत सिंह के बलिदान को किया गया नमन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने केंद्रीय विधान सभा के पहले निर्वाचित भारतीय अध्यक्ष श्री विट्ठलभाई झावेरभाई पटेल की 152वीं जयंती, और शहीद भगत सिंह की 118वीं जयंती के अवसर पर एक पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर विधान सभा उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित थे, जिन्होंने इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में दिल्ली विधानसभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

विधानसभा उपाध्यक्ष श्री मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, श्री विट्ठलभाई पटेल ने ईमानदारी और निर्भीकता के साथ संसदीय परंपराओं की नींव रखी, वहीं शहीद भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनके जीवन से हमें लोकतंत्र की रक्षा करने और जनता की सेवा में समर्पित रहने की प्रेरणा मिलती है।

श्री विट्ठलभाई झवेरभाई पटेल, जो इसी विधानसभा के पहले अध्यक्ष रहे, ने अपने ऐतिहासिक निर्णयों और निर्भीक नेतृत्व से ब्रिटिश शासकों को भी चौंका दिया था। उनके द्वारा स्थापित संसदीय परंपराएँ आज भी भारत की विधानसभाओं और संसद में आदर्श रूप में अपनाई जाती हैं। महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी निभाई और देशभक्ति की एक ऊँची मिसाल कायम की थी। शहीद भगत सिंह, युवा क्रांतिकारी, साहस, त्याग और स्वतंत्रता के अदम्य संकल्प के प्रतीक थे।

यही दिल्ली विधानसभा वह स्थान है जहाँ 1929 में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दमनकारी पब्लिक सेफ्टी बिल के विरोध में बम फेंककर इस भवन को स्वतंत्रता संग्राम की अमर धरोहर बना दिया। उनका एक न्यायपूर्ण और समानतामूलक भारत का सपना आज भी नई पीढ़ियों को प्रेरित करता है और राष्ट्रप्रेम की ज्योति प्रज्वलित करता है।

इस अवसर पर साकेत स्थित रेड रोजेस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने दिल्ली विधानसभा परिसर में आयोजित पीएम मोदी की प्रदर्शनी सेवा ही संकल्प, राष्ट्र प्रथम ही प्रेरणा-75 वर्ष, एक अनुभव और एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के बचपन और प्रारंभिक जीवन पर आधारित लघु फिल्म चलो जीते हैं भी देखी।

पांच लाख से अधिक छात्रों को दीपावली से पहले दी जाएगी छात्रवृत्ति: सीएम योगी

'हमारी सरकार ने पिछली सरकारों में छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों को दी स्कॉलरशिप'

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। अनुसूचित जाति-जनजाति के करीब पांच लाख छात्रों को संस्थान की ओर से डाटा अपलोड न करने की वजह से छात्रवृत्ति नहीं मिल पायी क्योंकि डाटा लॉक हो गया था। ऐसे छात्रों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति देने के लिए पैसा तैयार कर लिया गया है। छात्रवृत्ति से वंचित सभी छात्रों को दीपावली से पहले उनके खाते में छात्रवृत्ति भेज दी जाएगी। वहीं जिनकी वजह से छात्रों को स्कॉलरशिप नहीं मिल पायी है, उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी ताकि आने वाले समय में ऐसी त्रुटि न हो। किसी भी देश और प्रदेश की आर्थिक प्रगति का पैमाना शिक्षा से शुरू होता है। ऐसे में छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आईजीपी में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में कही। इस दौरान सीएम योगी ने कई छात्रों को छात्रवृत्ति वितरित की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले छात्रवृत्ति वितरित की जाती थी, लेकिन छात्र के खाते में पहुंचती नहीं थी। इसमें मनमानी होती थी। वहीं जो छात्रवृत्ति छात्रों को सितंबर-अक्टूबर में प्राप्त होनी चाहिए थी, वह छात्रवृत्ति मार्च-अप्रैल तक पहुंचती थी। इसमें भी भेदभाव होता था। वर्ष 2016 में अनुसूचित-जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति ही नहीं दी गई। जब वर्ष 2017 में हमारी सरकार आई, तो हमने वर्ष 2016-17 और 2017-18 की छात्रवृत्ति प्रदेश के एक-एक बच्चे को दी गयी। उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग द्वारा 9 से 12 वीं के अनुसूचित जाति-जनजाति और सामान्य जाति के 4 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध करायी जा रही है। इसमें पहले चरण में 1 लाख 12 हजार छात्र छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के ढाई लाख से अधिक छात्र-छात्राएं और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के 25,000 छात्र-छात्राएं सुविधा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि वर्ष 2017-18 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक अनुसूचित जाति-जनजाति के 1 करोड़ 23 लाख छात्रों को 9,150 करोड़ रुपए की धनराशि वितरित की गई है। यह पैसा डीबीटी के माध्यम से उनके अकाउंट में भेजा गया। वर्ष 2017-18 से 2024-25 में सामान्य वर्ग के 58 लाख 90 हजार छात्र-छात्राओं को 5,945 करोड़ रुपए उनके अकाउंट में भेजे गये।

इस अवसर पर मंत्री नरेंद्र कश्यप, असीम अरूण, राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी, संजीव गौड़, अनुसुचित जाति-जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत, मेयर सुषमा खर्कवाल, राज्यसभा सांसद बृजलाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, लालजी प्रसाद निर्मल, इं. अवनीश कुमार सिंह और विधान सभा सदस्य जया देवी आदि मौजूद रहे।

मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में डीपीसीसी ने आयोजित की 'ब्रेथ ऑफ चेंज' कार्यशाला

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रभावी मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार ने एक दिवसीय 'ब्रेथ ऑफ चेंज- क्लीन एयर डायलॉग' कार्यशाला और आईईसी एक्टिविटी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सड़कों को कम्प्लीट स्ट्रीट्स के कॉन्सेप्ट में ढालकर धूल प्रदूषण से निपटना था।

यह कार्यक्रम दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने राहगिरी फाउंडेशन के साथ मिलकर आयोजित किया। इसमें 15 सरकारी एजेंसियों के 170 से ज्यादा इंजीनियर और टेक्नीशियन शामिल हुए, जिन्हें रोड रिडेवलपमेंट के साथ धूल नियंत्रण के नई तकनीक और तरीके सिखाए गए। इस मौके पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा: यह कार्यक्रम बहुत अहम है क्योंकि सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने धूल प्रदूषण से निपटने के लिए 24x7 सालभर की रणनीति बनाई है। जमीन पर इन योजनाओं को लागू करने वाले अधिकारियों को ट्रेनिंग देना उतना ही जरूरी है, क्योंकि किसी भी योजना की सफलता उसके सही अमल पर निर्भर करती है। हम लगातार सभी हितधारकों- सरकारी एजेंसियों, स्वतंत्र संस्थानों, एनजीओ, एक्सपर्ट्स, छात्रों और आम जनता से संवाद कर रहे हैं, क्योंकि प्रदूषण से लड़ाई सबके सहयोग से ही जीती जा सकती है।

कानून-व्यवस्था के हालात पर कड़ी नजर रखें: सीएम की सी.पीज. और एस.एस.पीज. को हिदायत

प्रत्येक योग्य बाढ़ पीड़ित के लिए मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए कहा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों (सी.पीज.) और सीनियर पुलिस कप्तानों (एस.एस.पीज.) को राज्य भर में कानून-व्यवस्था के हालात पर कड़ी नजर रखने की हिदायत दी।

सी.पीज. और एस.एस.पीज. के साथ वर्चुअल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि बाढ़ पीड़ितों का समय पर पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए इन अधिकारियों का सिविल प्रशासन में अपने हमरुतबा अधिकारियों के साथ तालमेल बनाए रखना जरूरी है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि बाढ़ के दौरान असली नुकसान झेलने वाले पीड़ितों को जरूर मुआवजा मिले। भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को इस मकसद के लिए उत्साह से काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस अत्यावश्यक लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सिविल और पुलिस प्रशासन के बीच सुचारू तालमेल की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने पीड़ितों तक जरूरी सहायता पहुंचनी सुनिश्चित करने के लिए

बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों का भरोसा बहाली के कदम उठाने की वकालत की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राहत कार्य सुचारू हों ताकि पीड़ितों तक सहायता निर्विघ्न पहुंचे।

अपराध और आपराधिक तत्वों के साथ बिल्कुल लिहाज न बरतने की नीति दोहराते हुए भगवंत सिंह मान ने सी.पीज. और एस.एस.पीज. को पंजाब भर में कानून-व्यवस्था बरकरार रखने की कोशिशें तेज करने के लिए कहा।

बाढ़ के दौरान पंजाब पुलिस की भूमिका की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फोर्स के लाजवाब योगदान को इतिहास में सुनहरे अक्षरों से याद किया जाएगा। उन्होंने युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम के अंतर्गत नशों के खिलाफ और गैंगस्टरों विरुद्ध सख़्त कार्रवाई के लिए पंजाब पुलिस की सराहना की। उन्होंने पंजाब पुलिस की समृद्ध विरासत की तारीफ की और भरोसा जताया कि पुलिस हर हाल में पंजाब का अमन, तरक़्क़ी और खुशहाली की रक्षा करती रहेगी।

मीटिंग के दौरान मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, डी.जी.पी. गौरव यादव और अन्य सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे।

सम्पादकीय

'सड़क क्रांति' ने बिहार के बुनियादी ढांचे को किया मजबूत

पिछले 20 वर्षों में बिहार में कुल एक लाख, 19 हजार किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। विगत दो दशकों में राज्य में कुल ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क 8,000 कि.मी. से बढ़कर 1,19,000 कि.मी. से भी अधिक हो गया है। ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा पिछले 20 वर्षों में 2,560 पुलों का भी निर्माण कराया है। जो राज्य की 1 लाख, 20 हजार से भी अधिक ग्रामीण बसावटों को बारहमासी सड़क संपर्कता उपलब्ध करा रही हैं। जिससे राज्य के ग्रामीण इलाकों अब हर मौसम में यातायात व्यवस्था को सुगमता प्रदान हुई है। इस 'सड़क क्रांति' ने राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ ग्रामीण संपर्क में भी सुधार किया है। जिससे बिहार की ग्रामीण आबादी को शिक्षा, स्वास्थ्य और अपने रोजगार तक पहुंचने का एक सुगम मार्ग भी उपलब्ध कराया जा सका है। ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति-2018 के तहत राज्यभर में कुल 36,894 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का अनुरक्षण भी सफलतापूर्वक किया गया है। विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य में 12,500 ग्रामीण सड़कों के निर्माण का काम प्रगति पर है। साथ ही, 1,791 ग्रामीण पुलों के निर्माणकार्य को भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। बिहार के ग्रामीण इलाकों में सड़कों का यह जाल, ग्रामीण आबादी को यातायात के सुगम साधन से जोड़ रहा है तथा गांवों के उद्योगों को भी शहरों के बाजार से जोड़ रहा है। आज सड़कों के नेटवर्क से किसानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिलने लगा है। इन अभूतपूर्व बदलाव से राज्य में प्रति व्यक्ति आय में 700 प्रतिशत से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि बिहार में गांवों के बारहमासी सड़कों से जुड़ने की वजह से सम्भव हो पाया है। इन सड़कों के निर्माण का सकारात्मक परिणाम यह भी है कि राज्य में नये उद्योगों की स्थापना, पयर्टन स्थलों पर पर्यटकों के आने की संख्या में लगातार वृद्धि के साथ-साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिला है। बिहार का सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए या मारे गए लोगों को मुआवजा देने में देश में पहला स्थान है। मोटर दुर्घटना पीड़ितों को मुआवजा देने की योजना के अंतर्गत गंभीर चोट लगने पर 50 हजार और मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये देने का प्रावधान है।

कविता

हमारे वीर सैनिक

अपने सैनिक वीर जवानों
की गाथा है बड़ी महान
देश की रक्षा की खातिर
जो कर देते हैं जां कुर्बान
सीमाओं पर डटे सिपाही
पत्थर और पहाड़ों से
आंधी आए या हो तूफा
मौसम चाहें जाड़ों के
रोती है मां लाल को अपने
आंखों से ओझल करके
त्यौहारों पर राहें देखे
उसकी भीगी सी पलकें
जब भरती सिंदूर को सजनी
अपनी मांग सजाती है
डरता है मन भारी सांसे
आंखे भर-भर जाती हैं
न भूलेंगे बलिदानों को
संकल्प हमारा कहता है
भारत वासी भी रोते
जब रक्त तुम्हारा बहता है
सैनिक से है भारत ज़िंदा
भारत मां की शान है
तभी तिरंगा भी लहराए
ऐसा देश महान है

-गीता राठौर गुंजन
पूरनपुर पीलीभीत

जयंती

राधानाथ राय

जन्म-27 सितम्बर, 1848; मृत्यु-17 अप्रैल, 1908) उड़िया भाषा-साहित्य के प्रमुख कवि थे। वे ऐसे बंगाली कुल से थे, जो पीढ़ियों से ओडिशा में ही बसा था। उनके काव्यों ने ओड़िया कविता में एक नयी परपरा की सृष्टि की और बीसवीं शताब्दी के लगभग मध्य तक के परवर्ती कवियों को प्रभावित किया। ओड़िया कविता को राधानाथ राय ने नये रूपों, नये विषयों, एक नये उपागम और पूर्वापेक्षा से अधिक उन्मुक्तता के प्रवर्तन से समृद्ध किया।

पुण्यतिथि

राजा राममोहन राय

जन्म: 22 मई, 1772; मृत्यु: 27 सितम्बर, 1833) को 'आधुनिक भारतीय समाज का जन्मदाता' कहा जाता है। वे ब्रह्म समाज के संस्थापक, भारतीय भाषायी प्रेस के प्रवर्तक, जनजागरण और सामाजिक सुधार आंदोलन के प्रणेता तथा बंगाल में नव-जागरण युग के पितामह थे। धार्मिक और सामाजिक विकास के क्षेत्र में राजा राममोहन राय का नाम सबसे अग्रणी है। राजा राम मोहन राय ने तत्कालीन भारतीय समाज की कट्टरता, रूढ़िवादिता एवं अंध विश्वासों को दूर करके उसे आधुनिक बनाने का प्रयास किया।

कल मिलेंगे

पिंकी को देखने लड़के वाले आए थे,
लड़के वाले पिंकी से पूछते हैं-पिंकी बेटा आपका रहन-सहन कैसा है कुछ हमें भी बताओ.
पिंकी के पापा-रहन तो मस्त है इसका पर सहन ये अपने पिताजी की बात भी नहीं कर सकती है.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

लद्दाख के जेन-जेड क्रांति से सबक सीखे भारत, अन्यथा...!

लद्दाख को राज्य का दर्जा समेत कई मांगों पर सोशल ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक विगत 15 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। लिहाजा, उनकी मांगे पूरी न होने पर प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को बंद बुलाया। इसी सिलसिले में सोशल मीडिया पर लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की गई। जिसके बाद गत बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे

-कमलेश पांडेय

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जारी आंदोलन ने गत्वबुधवार को हिंसक रूप अख्तियार कर लिया है। इसके बाद लेह में प्रदर्शनकारी छात्रों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई, जिसमें 4 लोगों की मौत हुई और 70 से ज्यादा घायल है। वहीं, प्रदर्शन के दौरान बीजेपी के ऑफिस और सीआरपीएफ की गाड़ी में आग लगा दी गई। चूंकि यह अतिवादी कार्रवाई है। इसलिए हिंसा पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। वहीं, हालात को देखते हुए लेह में कर्फ्यू लगा दिया गया। बिना मंजूरी के रैली और प्रदर्शनों पर रोक लगा दी गई है।

बताते चलें कि लद्दाख को राज्य का दर्जा समेत कई मांगों पर सोशल ऐक्टिविस्ट सोनम वांगचुक विगत 15 दिनों से भूख हड़ताल पर थे। लिहाजा, उनकी मांगे पूरी न होने पर प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को बंद बुलाया। इसी सिलसिले में सोशल मीडिया पर लोगों से लेह हिल काउंसिल पहुंचने की अपील की गई। जिसके बाद गत बुधवार को सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे। इसी दौरान हिंसा हुई। सरकारी सूत्रों ने कहा कि हिंसा में राजनीति से प्रेरित साजिश की बूआ रही है।

वहीं, केंद्र सरकार ने दो टूक शब्दों में कहा है कि सोनम वांगचुक के उकसाऊ बयानों से यह हिंसा भड़की है। इससे पहले वांगचुक ने हिंसा पर दुख जताते हुए अनशन तोड़ दिया। उन्होंने इन घटनाओं के लिए जेन-जेड (1997 से 2012 के बीच जन्म लेने वाली पीढ़ी) की हताशा को जिम्मेदार ठहराया और शांति की अपील की। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों की 4 अहम मांगें हैं-लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा, पूर्वोत्तर की तरह संवैधानिक सुरक्षा, करगिल, लेह की अलग-अलग लोकसभा सीट और सरकारी जॉब्स में में स्थानीय लोगों की भर्ती।

इससे स्पष्ट है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और चीन के हमदर्द राहुल गाँधी जो नेपाल-बंगलादेश की तरह पूरे देश में यही कुछ चाहते थे, के मनोरथ पूर्ण होने की तरफ बात बढ़ चली है। यदि शेष भारत में गृहयुद्ध भड़कता है तो इसके लिए इस देश में केवल विपक्षी दल, कथित सिविल सोसायटी और बाहरी शक्तियाँ, यथा-अमेरिकी डीप स्टेट तथा इस्लामिक अतिवादी संस्थाएं दोषी तो होंगी ही, साथ ही साथ इस बद से बदतर स्थिति के लिए कथित राष्ट्रभक्त हिंदू और सनातन धर्म प्रेमी लोगों का एक बड़ा तबका भी होगा जो उनके इशारे पर थिरकते हैं।

ऐसा इसलिए कि आप लद्दाख की इस घटना से लेकर नेपाल के हाल-फिलहाल के वाकये तक इनके द्वारा लिखी व बोली गई अनाप-शनाप बातों से अंदाजा लगा सकते हैं।वास्तव में ये जाने-अनजाने में देश धर्म विरोधी तत्त्वों के हथियार बन रहे हैं। यह गम्भीर बात है। इससे संवैधानिक सफलता भी संदिग्ध हुई है। सच कहूं तो भारत के अतिसंवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश 'लद्दाख' से जेन-जेड क्रांति का जो आगाज दिखाई-सुनाई पड़ा है, यह हमें समय रहते ही सावधान करने के लिए काफी है। यह स्थिति किसी भी लोकतंत्र के लिए शर्म की बात है। चाहे सम्बन्धित सेना हो या सिविल व पुलिस प्रशासन, यदि उनके द्वारा अमेरिकी खुफिया इकाई सीआईए द्वारा प्रोत्साहित इस कथित जेड-जेन क्रांति को सख्ती पूर्वक नहीं कुचला गया तो उनका भविष्य भी अंधकारमय हो जाएगा! बेहतर होगा कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को अविलंब कैद करके उन्हें आजीवन कारावास या फांसी की सजा दी जाए, क्योंकि उनके कुकर्मों से धन-जन की हानि हुई है, अन्यथा भारतीय लोकतंत्र में भी एक गलत ट्रेंड स्थापित हो जाएगा। एशियाई लोकतंत्र की सफलता पर सवाल उठेंगे। ऐसा इसलिए कि पश्चिमी लोकतंत्र खूनी लोकतंत्र है, पक्षपाती डेमोक्रेसी है। जिसका मकसद दुनिया भर में लोकतांत्रिक जनभावना मजबूत करना नहीं, बल्कि अपने आर्थिक व साम्राज्यवादी लाभ के लिए दुनिया में कठपुतली सरकार कायम करना है।

यही वजह है कि जेन-जेड जैसी कथित क्रांति से हो रहे सत्ता परिवर्तन और बन रही कठपुतली सरकारों को दुनियावी लोकतंत्र की सफलता के लिहाज से उचित नहीं समझा जा सकता है। इसलिए लद्दाख घटनाक्रम के बाद भारत को ठोस और प्रभावी कदम उठाने ही होंगे और इससे अपने पड़ोस को भी लाभान्वित करने की सद्भावना रखनी होगी।

कहना न होगा कि 2014 की सनातन युवा क्रांति के बाद बनी भाजपा नीत मोदी सरकार की सफलता से ही भारत, अमेरिका-चीन और अरब देशों के निशाने पर है। इसलिए श्रीलंका, अफगानिस्तान, बंगलादेश, नेपाल आदि में जो जेन-जेड क्रांति हुई, उसका मकसद भारतीय राजनेताओं और सेना के धैर्य की परीक्षा लेना था। जब हम लोकतंत्र की पैरोकारी में मजबूती पूर्वक विफल रहे तो लद्दाख जेन-जेड क्रांति हमें मुबारक कर दिया गया।

सवाल है कि यह भी प्रयोग केरल, पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर के बजाय बौद्ध धर्म बहुल लद्दाख में करवाया गया ताकि बौद्धों के प्रति हिंदुओं के मन में नफरत पैदा हो और चीन-भारत व तिब्बत-भारत के रिश्तों में पलीता लगे। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि यदि अफगानिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, नेपाल में लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन हुआ होता तो बेहतर होता। लेकिन चरमपंथियों और हिंसकों को कुचलने के बजाय स्थानीय सेना व प्रशासन द्वारा ऐसे अराजक तत्वों से बात करने से समकालीन लोकतंत्र के प्रति गलत संदेश गया है। लिहाजा, अविलंब इसकी भरपाई के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, रूस और चीन आदि के साथ मिलकर अराजक तत्वों पर कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा असहयोग मिलने पर भारत की सेना को ही इन पर आक्रमण करके इन्हें भारतीय भूभाग में मिला लेना चाहिए। इसके साथ ही पश्चिमी देशों व ब्रिक्स देशों जैसे लोकतंत्र के कथित दरिंदों को ग्लोबल साउथ के समक्ष बेनकाब करने की स्पष्ट रणनीति अख्तियार करनी चाहिए। कहने का तातपर्य यह कि विधि के शासन को बहाल करने के लिए भारत व उसके पड़ोसी देशों की सेना को आपसी सांठगांठ करके व स्थानीय सिविल व पुलिस प्रशासन को भरोसे में लेकर निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए। इस दिशा में हर तरह की कुबार्नी के लिए भी तैयार रहना चाहिए और किसी तरह के 'कत्लेआम' से गुरेज नहीं करना चाहिए। अन्यथा भारत विकास और सुशासन की रेस में पिछड़ जाएगा।

समकालीन जेन-जेड की हिंसक प्रवृति को देखते हुए लोगों को आशंका है कि जी-7 और ब्रिक्स के कतिपय चतुर सुजान देश यही अराजकता चाहते हैं, ताकि उनके गोला-बारूद की खपत बढ़े। इसी की आड़ लेकर वे दुनियावी प्राकृतिक संसाधनों को लूट सकें। इसलिए भारत को अविलंब जिला स्तर पर अपनी तैयारी को धार दी जानी चाहिए, ताकि हिंसक व अराजक तत्वों को उनकी औकात में रखा जा सके। अन्यथा यह 'खूनी लोकतंत्र' भविष्य में अमेरिकी पूंजीपतियों का गुलाम हो जाएगा। बहरहाल ये अराजकता पैदा करके हथियार बेचेंगे और भारतीय उपमहाद्वीप भी अरब व खाड़ी देशों की तरह झुलसता रहेगा।

बताते चलें कि कथित पूर्ण राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर लद्दाख में चल रहा प्रदर्शन जिस प्रकार से हिंसक हो गया और भाजपा के कार्यालय तक को निशाना बनाया गया, उसमें भाड़े के उत्पाती शामिल नहीं हैं तो क्या हैं? यह ठीक है कि सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अगुआई में लंबे वक्त से यह मांग उठायी जा रही है और इसे लेकर केंद्र से कई दौर की बातचीत भी हो चुकी है। लेकिन, इस दौरान इस सोच का हिंसा का हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक दोनों है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि पूरे देश में एक सही संदेश जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 और 35-ए के प्रावधान हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर से अलग कर लद्दाख को केंद्र शासित राज्य बनाया था। तब सरकार ने वादा किया था कि हालात सामान्य होते ही पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाएगा। लेकिन अब ऐसा लगता है कि 6 साल बाद लोगों का भरोसा और सब्र डगमगाने लगा है। फिर भी लेह में हिंसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसके पीछे विदेशी ताकतों के हाथ की पड़ताल और जम्मू-कश्मीर सरकार की परोक्ष भूमिका की जांच होनी चाहिए। इस बात में कोई दो राय नहीं कि सोनम वांगचुक इस मुद्दे पर पिछले कई महीनों से आंदोलनरत रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी वह 21 दिनों के आमरण अनशन पर बैठे थे।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मिग-21 की विदाई सिर्फ एक युग का अंत नहीं, आधुनिक विमानों के युग का शुभारंभ भी है

अलग-अलग अपग्रेड और नए संस्करणों के माध्यम से मिग-21 ने कई युद्धों में अपनी उपयोगिता साबित की, जिनमें 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, और 1999 का कारगिल संघर्ष शामिल हैं। भारत ने अब तक 700 से अधिक मिग-21 विमानों को विभिन्न वेरिएंट्स में खरीदा। सबसे आधुनिक 'बायसन' संस्करण में आधुनिक अवियोनिक्स, रडार और उन्नत मिसाइलें शामिल थीं

-नीरज कुमार दुबे

भारतीय वायु सेना ने अपने प्रतिष्ठित मिग-21 लड़ाकू विमानों को रिटायर कर दिया। इस समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी सहित वरिष्ठ सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। यह दिन भारतीय वायुसेना के इतिहास में एक युग के अंत का प्रतीक है, क्योंकि मिग-21 ने 1963 से अब तक देश की वायु सुरक्षा की रीढ़ के रूप में सेवा दी।

हम आपको बता दें कि मिग-21 विमानों को भारतीय वायु सेना में शामिल किए जाने के समय यह अपनी तकनीक और गति के लिए विश्व के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में गिना जाता था। शुरू में यह मुख्यतः इंटरसेप्टर के रूप में कार्य करता था, यानी दुश्मन के विमानों को रोकने और वायु क्षेत्र की रक्षा करने के लिए डिजाइन किया गया था।

अलग-अलग अपग्रेड और नए संस्करणों के माध्यम से मिग-21 ने कई युद्धों में अपनी उपयोगिता साबित की, जिनमें 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्ध, और 1999 का कारगिल संघर्ष शामिल हैं। भारत ने अब तक 700 से अधिक मिग-21 विमानों को विभिन्न वेरिएंट्स में खरीदा। सबसे आधुनिक 'बायसन' संस्करण में आधुनिक अवियोनिक्स, रडार और उन्नत मिसाइलें शामिल थीं।

हालांकि, विमानों के एक इंजन वाले होने और पुराने इंजन की समस्याओं के कारण मिग-21 ने वर्षों में कई दुर्घटनाओं का सामना किया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले 60 वर्षों में 500 से अधिक मिग-21 क्रैश हुए, जिनमें कम से कम 170 पायलटों की जान गई। इसके बावजूद, वरिष्ठ IAF अधिकारी मानते हैं कि इतने लंबे समय तक उड़ान भरने वाले विमानों के लिए इसका सुरक्षा रिकॉर्ड अपेक्षाकृत संतोषजनक रहा। हम आपको यह भी बता दें कि मिग-21 के सेवानिवृत्त होने के बाद, भारतीय वायुसेना की फाइटर स्क्वॉड्रन संख्या घटकर 29 रह गई है, जबकि इसकी मानक संख्या 42 स्क्वॉड्रन है। यह कमी भविष्य में दो-सीमाओं पर संभावित संघर्ष के समय एक गंभीर चुनौती बन सकती है। पाकिस्तान की अनुमानित 20-25 स्क्वॉड्रन और चीन की 60 से अधिक स्क्वॉड्रन क्षमता के मुकाबले यह अंतर स्पष्ट है।

इस समय वायुसेना का ध्यान मुख्य रूप से मजबूत वायु रक्षा प्रणालियों और सतह से हवा तक एवं सतह से सतह तक के हथियारों के सुदृढ़ीकरण पर है। इसी कारण, भारत ने रूसी S-400 मोबाइल मिसाइल सिस्टम को अपनाया और स्वदेशी आकाश-तीर वायु रक्षा प्रणाली का विकास किया।

भविष्य की तैयारी को देखें तो वायुसेना अपनी घटती फाइटर शक्ति को पूरा करने के लिए स्वदेशी और विदेशी विमानों का मिश्रित मॉडल अपनाने जा रही है। तेजस Mk1A HAL द्वारा निर्मित है, इसमें AESA रडार, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और बीवीआर क्षमताओं वाली मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा तेजस Mk2 और AMCA भविष्य के पांचवीं पीढ़ी के स्टेल्थ विमानों के रूप में अगले दशक में सेवा में शामिल होंगे। साथ ही 114 विमानों की खरीद में Dassault Rafale प्रमुख दावेदार है। कुछ विमानों को तुरंत प्राप्त किया जाएगा और बाकी भारत में HAL और Dassault की साझेदारी में बनाए जाएंगे। इसके अलावा, Su-30MKI विमानों के Super-30 प्रोग्राम के तहत 84 विमानों का उन्नयन किया जाएगा।

हम आपको यह भी बता दें कि IAF की नई तकनीक और विमानों की डिलीवरी में लगातार देरी रही है। मिग-21 का लंबे समय तक संचालन इसी कारण संभव हुआ। तेजस Mk1A के पहले विमानों की डिलीवरी में भी US से इंजन प्राप्ति और रडार तथा हथियार एकीकरण में देरी आई। AMCA अभी विकास के चरण में है और इसके प्रोटोटाइप को भी कुछ साल लग सकते हैं।

देखा जाये तो मिग-21 का सेवामुक्त होना भारतीय वायुसेना के लिए भावनात्मक और रणनीतिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह विमान न केवल छह दशक तक देश की सुरक्षा का प्रतीक रहा, बल्कि भारतीय वायुसेना की क्षमता, साहस और आत्मनिर्भरता का भी परिचायक रहा। अब जबकि भारत नए युग के उन्नत विमानों की ओर बढ़ रहा है, मिग-21 की विरासत हमेशा याद रहेगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिका में घुसकर शेर की तरह दहाड़े विदेश मंत्री जयशंकर

(एजेन्सी)।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान को कैसे मारा था वो तो पूरी दुनिया ने देखा था। उसी के बाद पूरी दुनिया को ये एहसास हो गया है कि भारत से भिड़ना बहुत मुश्किल है। अब भारत ने एक और बड़ा दांव चल दिया। न्यूयॉर्क की धरती से एक ऐसा बयान आया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक में ऐसा भाषण दिया, जिसने न सिर्फ अमेरिका को आईना दिखाया बल्कि दुनिया को ये समझाया की असली लीडरशिप कैसे होती है। जयशंकर ने अपने भाषण में यूक्रेन युद्ध, गाजा संघर्ष, आर्थिक दबाव, ऊर्जा संकट और आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र की नाकामी पर जमकर निशाना साधा।

सबसे खास बात ये रही कि सारा कुछ जयशंकर ने अमेरिका की धरती पर खड़े होकर कहा। वो भी ऐसे वक्त जब अमेरिका इन सभी मुद्दों में सीधे या परोक्ष रूप से शामिल है। दरअसल, जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक न्यूयॉर्क में हो रही थी। दुनिया के ताकतवर देशों के प्रतिनिधि वहां मौजूद थे। ये बैठक ऐसे समय में हो रही थी जब यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध लगातार जारी है। गाजा में हिंसा ने पूरे मीडिल ईस्ट को हिलाकर रख दिया है। ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति पर वैश्विक संकट मंडराया रहा। मंदी और वैश्विक संकट का खतरा दुनिया पर छाया है। ऐसे में सभी की नजरें विदेश मंत्री एस जयशंकर पर थी। भारत जी20 का एक बड़ा और निर्णायक सदस्य है।

जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि जो देश किसी भी मोर्चे पर आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं, वे समग्र रूप से अंतरराष्ट्रीय समुदाय की बड़ी सेवा करते हैं। अंतरराष्ट्रीय शांति और वैश्विक विकास के बीच संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में दोनों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, विकास के लिए एक निरंतर खतरा आतंकवाद है जो शांति में बाधा डालने वाला है। उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि दुनिया आतंकवादी गतिविधियों के प्रति न तो सहिष्णुता दिखाए और न ही उन्हें सहयोग दे। जयशंकर ने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया संघर्ष, आर्थिक दबाव और आतंकवाद का सामना कर रही है, बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र की सीमाएं स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा, बहुपक्षवाद में सुधार की आवश्यकता पहले कभी इतनी अधिक नहीं थी। उन्होंने कहा कि आज अंतराष्ट्रीय हालात राजनीतिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से अस्थिर है।

जयशंकर ने कहा, जी-20 के सदस्य के रूप में हमारी विशेष जिम्मेदारी है कि हम इसकी स्थिरता को मजबूत करें तथा इसे अधिक सकारात्मक दिशा प्रदान करें, जो कि वार्ता और कूटनीति के माध्यम से आतंकवाद का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करके तथा मजबूत ऊर्जा एवं आर्थिक सुरक्षा की आवश्यकता को समझकर सर्वोत्तम ढंग से किया जा सकता है।

भारतीय समुद्री क्षेत्र ने स्थिरता और दक्षता में नए मानक बनाए: सोनोवाल

(एजेन्सी)।

केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के समुद्री क्षेत्र ने वैश्विक विकास के अनुरूप स्थिरता और दक्षता में नए मानक स्थापित किए हैं। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री ने जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) के न्हावा शेवा वितरण टर्मिनल पर इलेक्ट्रिक भारी ट्रकों के पहले बेड़े को भी हरी झंडी दिखाई। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अब जेएनपीए के पास भारत के बंदरगाहों में सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक ट्रक बेड़ा है, जो टिकाऊ लॉजिस्टिक क्षमता को बढ़ावा देता है। जेएनपीए का इरादा दिसंबर 2026 तक लगभग 600 भारी वाहनों के अपने बेड़े के 90 प्रतिशत ट्रकों को इलेक्ट्रिक रूप देने का है।

सोनोवाल ने इस अवसर पर कहा, देश भर के बंदरगाह सौर एवं पवन ऊर्जा परियोजनाएं, एलएनजी और हाइड्रोजन ईंधन अवसंरचना और माल ढुलाई उपकरणों का विद्युतीकरण शुरू कर रहे हैं। जेएनपीए के चेयरपर्सन उन्मेष शरद वाघ ने कहा, भारत के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाह के संरक्षक के रूप में, यह हमारा दायित्व है कि हम ऐसे नवाचार को अपनाएं जो आर्थिक गतिशीलता को पारिस्थितिक ज़िम्मेदारी के साथ संतुलित करे। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक ट्रकों का यह बेड़ा एक नए युग का अग्रदूत साबित होगा, जहां स्थिरता वृद्धि का एक सहायक उपकरण नहीं, बल्कि उसका आधार है।

धोखाधड़ी आरोपों में भारतीय मूल के डॉक्टर को 14 साल की कैद

(एजेन्सी)।

अमेरिका में भारतीय मूल के एक डॉक्टर को स्वास्थ्य सेवा फजीवाड़ा, इलेक्ट्रानिक्स संचार माध्यमों से धोखाधड़ी और नियंत्रित पदार्थों के अवैध वितरण की साजिश रचने और धन शोधन से संबंधित अपराधों को लेकर 168 माह यानी 14 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। अमेरिका के न्याय विभाग ने यह जानकारी दी।

न्याय विभाग ने एक बयान में कहा कि पेन्सिलवेनिया में बेन्सलेम के 48 वर्षीय डॉक्टर नील के. आनंद को 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की क्षतिपूर्ति और 20 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक की जब्ती का भी आदेश दिया गया है। आनंद को इस साल अप्रैल में मेडिकेयर, अमेरिकी कार्मिक प्रबंधन कार्यालय (ओपीएम), इंडिपेंडेंस ब्लू क्रॉस (आईबीसी) तथा अन्य में अनावश्यक दवाओं संबंधित दावे प्रस्तुत करने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था।

न्याय विभाग के मंगलवार के बयान में कहा गया है कि ये दवाएं आनंद के स्वामित्व वाली विभिन्न फामेर्सी द्वारा मरीजों को दी जाती थीं। बयान में कहा गया है, कुल मिलाकर, मेडिकेयर, ओपीएम, आईबीसी और एंथम ने 24 लाख अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की प्रतिपूर्ति की। मरीजों को उत्पाद के साथ मिलने वाले तोहफे लेने के लिए लुभाने के लिए आनंद ने चिकित्सा पद्धति के सामान्य चलन से हटकर और बिना किसी जायज चिकित्सीय उद्देश्य के ऑक्सीकोडोन वितरित करने की भी साजिश रची।

बयान के मुताबिक षड्यंत्र के तहत बिना लाइसेंस वाले मेडिकल प्रशिक्षु ने आनंद द्वारा पूर्व-हस्ताक्षरित खाली पर्चियों पर नियंत्रित पदार्थों के लिए नुस्खे लिखे। विभाग ने कहा कि योजना के तहत, आनंद ने नौ अलग-अलग मरीजों के लिए 20,850 ऑक्सीकोडोन गोलियां लिखीं, लेकिन जब उसे पता चला कि उसके खिलाफ जांच चल रही है, तो आनंद ने एक रिश्तेदार के नाम पर और एक नाबालिग रिश्तेदार के लाभ के लिए एक खाते में लगभग 12 लाख अमेरिकी डॉलर अंतरित करके धोखाधड़ी वाली आय को छुपा लिया। ऑक्सीकोडोन भीषण दर्द उठने पर उसके शमन के लिए दी जाने वाली दवा है।

सफलता एक-दो गानों से नहीं मिलती-पार्श्व गायिका शिल्पा राव

(एजेन्सी)।

पार्श्व गायिका शिल्पा राव को मंगलवार को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में प्रदान किया। शाहरुख खान अभिनीत फिल्म 'जवान' के गाने 'चलेया' में उनके काम के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए, गायिका ने अपनी टीम द्वारा साझा किए गए एक बयान में कहा, "यह जीत मेरी अपनी नहीं है। राष्ट्रीय पुरस्कार उन सभी का है जो मेरे साथ खड़े रहे, और जमशेदपुर का, मेरे गृहनगर का जिसने मुझे आकार दिया और आज भी मेरा आधार है।"

सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका का राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाली शिल्पा राव ने कहा है कि सफलता सिर्फ कुछ कामों कर के नहीं मिलती बल्कि हर दिन मेहनत करनी पड़ती है। वह अपने गृहनगर जमशेदपुर में एक मीडिया संस्थान द्वारा उनकी सफलता पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां आयी थीं। गायिका को 2023 में आई शाहरुख खान की फिल्म जवान में चलेया गाने के लिए सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित गया है। उन्होंने कहा सिर्फ एक-दो गाने से आपको सफलता नहीं मिल जाती। आपको हर दिन मेहनत करना पड़ता है। शिल्पा ने अपने परिवार, स्कूल, दोस्तों के साथ साथ मीडिया भी को उनका साथ देने के लिए आभार व्यक्ति किया और कहा कि इसके कारण गायक बनने का उनका सपना पूरा होने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि कोई भी गाना विवाद की वजह से सफल नहीं होता है बल्कि उसके लिए तीन चीजों की आवश्यकता होती है बहुत अच्छी तैयारी करना, गाने के अच्छे बोल और उसे सही ढंग से गाना।

शिल्पा ने चलेया गाने को बनाने वाली टीम की भी तारीफ की। उन्होंने कहा संगीतकार विशाल शेखर, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद, शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और यश राज फिल्म्स सभी ने बेहतरीन काम किया है। मैं खुश हूं कि गाने ने लोगों के दिलों को छुआ। संगीत में कृत्रिम मेधा के इस्तेमाल को लेकर शिल्पा ने कहा कि वह प्रौद्योगिकी को नकारात्मक रूप से नहीं देखती है। उन्होंने कहा प्रौद्योगिकी, जिसमें एआई शामिल है, श्रम की बचत करने और निर्माण को सुव्यवस्थित करने में मददगार साबित हो सकती है।

भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा

(एजेन्सी)।

बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंच गया है। वहीं अब 28 सितंबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल मैच खेला जाएगा। ये भारत और पाकिस्तान की एशिया कप के इतिहास में 17वीं बार भिड़ंत होगी। एशिया कप के इतिहास में ये पहली बार है जब खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। हालांकि, व्हाइट बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट में कुल पांच फाइनल खेले गए हैं जिसमें पांच से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया हो। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया सिर्फ दो बार जीत हासिल कर सकी है। भारत ने बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप (1985)और पहला टी20 वर्ल्ड कप (2007) जीता है। वहीं पाकिस्तान ने ऑस्ट्रल-एशिया कप (1986,1994) और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी (2017) जीती।

1985 में बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया था। ऑस्ट्रल-एशिया कप 1986 में पाकिस्तान ने एक विकेट से जीत दर्ज की थी। 1994 में एशिया कप में पाकिस्तान ने 39 रन से बाजी मारी।

वहीं भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ पांच रन से जीत दर्ज की। 2017 में हुए चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराया था।

केएल राहुल और साई सुदर्शन ने ठोके शतक

(एजेन्सी)। इंडिया ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की है। 412 रन के लक्ष्य को चेज कर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया। इससे पहले टीम ए टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी भी टीम ने ऐसा कमाल नहीं किया। भारत के इस रिकॉर्ड रन चेज में दो बल्लेबाजों ने शतकीय पारी खेली। दरअसल, टीम ए टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम ने 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज किया हो। इससे पहले किसी भी टीम ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज नहीं किया था। भारत के इस रिकॉ्ड रन में केएल राहुल और साई सुदर्शन ने अहम भूमिका निभाई। मैच में इंडिया ए के सामने जीत के लिए 412 रनों का टारगेट था। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया ए को इस मैच में बेहतरीन शुरूआत मिली। एन जगदीशन और केएल राहुल के बीच पहले विकेट के लिए 176 रन की पार्टनरशिप हुई। एन जगदीशन 36 रन बनाकर आउट हुए जिसके बाद केएल राहुल रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में हाईटेक सिटी का किया दौरा

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर आईटी और आईटीईएस का राइजिंग हब बन चुका है। देश-विदेश की प्रमुख कंपनियां आईटी पार्क जयपुर, उदयपुर और महिंद्रा वर्ल्ड सिटी में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि रिप्स-2024 के तहत आईटी और आईटीईएस प्रोजेक्ट्स को एसेट-क्रिएशन इंसेंटिव के तीन विकल्प दिए जा रहे हैं। इसके तहत 7 वर्षों तक 75 प्रतिशत एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति, 20 प्रतिशत कैपिटल सब्सिडी या 1.4 प्रतिशत टर्नओवर-लिंक्ड इंसेंटिव में से किसी एक का लाभ लेने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि एक बार विकल्प चुनने पर यह लाभ 10 वर्षों तक लागू रहता है।

श्री शर्मा ने शुक्रवार को हैदराबाद में हाइटेक सिटी का दौरा कर टी-हब की नवाचार-उन्मुख क्षमताओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि राज्य में 429 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा चुके हैं, जिनमें उद्योगों के लिए सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा रीको की नई डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट नीति के तहत राइजिंग राजस्थान योजना के अंतर्गत एमओयू धारकों को विशेष क्षेत्रों में औद्योगिक भूखंड आरक्षित दरों पर प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष भूमि आवंटन का पांचवां चरण वर्तमान में प्रगतिरत है, जिसमें 79 औद्योगिक क्षेत्रों में 7 हजार भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। रीको द्वारा अब तक 1 हजार 232 उद्यमियों को भूमि उपलब्ध कराई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान 33 गीगावॉट की सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। साथ ही, राज्य में लगभग 27 लाख करोड़ रुपये के नवीकरणीय ऊर्जा प्रोजेक्ट्स भी विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति निवेशकों को क्लीन एनर्जी, बैटरी स्टोरेज और ग्रीन टेक्नोलॉजी में निवेश करने के लिए प्रेरित करती है।

श्री शर्मा ने कहा कि राजस्थान न केवल निवेशकों के लिए अनुकूल राज्य है बल्कि आईटी, नवाचार और उद्योग सहित हर क्षेत्र में समृद्धि और विकास की दिशा में अग्रणी है। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान में सभी उद्यमियों, निवेशकों और स्टार्टअप्स का स्वागत करते हैं। जिससे हम सभी मिलकर एक आधुनिक, समृद्ध और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी राजस्थान का निर्माण कर सकें।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री श्री के.के. विश्नोई सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नलकूप चलाने की मांग की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन ककराला (बदायूं)। वार्ड नं. 8, पटिया मोहल्ला, ककराला के नलकूप/ट्यूबवेल को चालू कराने की मांग को लेकर हकीम मौलाना अफरोज खान अलीग ने नगर पालिका परिषद ककराला के अधिशासी अधिकारी (एड) को ज्ञापन सौंपा।

ए एस एफ ग्रुप हेल्थ केयर अलीगढ़ के मैनेजिंग डायरेक्टर हकीम मौलाना अफरोज खान ने ज्ञापन में कहा कि वार्ड नं. 8, पटिया मोहल्ले में ढाई वर्ष पूर्व स्थापित नलकूप/ट्यूबवेल आज तक चालू नहीं हो पाया है, जिससे मोहल्ले के नागरिक स्वच्छ पेयजल की सुविधा से वंचित हैं। इस समस्या को लेकर नगर पालिका, बिजली विभाग, एसडीएम एवं जिलाधिकारी को कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं और बिजली व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग भी की गई है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

ज्ञापन के माध्यम से अधिशासी अधिकारी से तत्काल कार्रवाई कर नलकूप/ट्यूबवेल को चालू कर मोहल्ले के निवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की गई। इस मौके पर नगर पालिका नगर अध्यक्ष इंतखाब सकलेनी से भी मुलाकात कर कार्य को जल्दी कराने की मांग की। अधिशासी अधिकारी और नगर पालिका अध्यक्ष ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस कार्य को पूरा करके नगर वासियों को पानी की समस्या से छुटकारा दिलाया जाएगा।

'वसुधैव कुटुंबकम' को साकार कर रहा है म.प्र. का पर्यटन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब अंतरराष्ट्रीय मानकों की बराबरी कर ली है। मध्यप्रदेश का पर्यटन "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना को साकार कर रहा है। प्रदेश में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मध्यप्रदेश पर्यटकों की पहली पसंद बन गया है। पिछले साल तक 13.41 करोड़ पर्यटकों ने मध्यप्रदेश आने का आनंद उठाया। अकेले उज्जैन में 7 करोड़ से ज्यादा की संख्या में आध्यात्मिक पर्यटक पहुंचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का पर्यटन सतत विकास के सभी मानदंडों को पूरा कर रहा है। प्राकृतिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, ग्रामीण पर्यटन, वन्य जीव पर्यटन के अलावा नए क्षेत्र जैसे खेल पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, जल क्रीड़ा पर्यटन, कृषि पर्यटन, इतिहास बोध कराने वाला पर्यटन भी लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से मध्यप्रदेश जैसे राज्यों का पर्यटन लगातार बढ़ रहा है। भारत की पूरे विश्व में साख बढ़ी है। वैश्विक पर्यटन बढ़ने से मध्यप्रदेश जैसे राज्यों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पर्यटन की गतिविधि को केवल आर्थिक गतिविधि से अलग हटकर सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय पुनर्जागरण का माध्यम बनाया है। "वोकल फॉर लोकल", देखो अपना देश और ट्रिपल टी-टेक्सटाइल टूरिज्म और टेक्नोलॉजी जैसे नई सोच पर्यटन को विकास, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक नवजागरण से जोड़ रहे हैं।

पिछले पांच सालों में मध्यप्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2019 में 8.9 करोड़ पर्यटक यहां आए थे। वर्ष 2020 और 2021 में कोविड महामारी के चलते पर्यटन की संख्या वैश्विक स्तर पर यात्रा प्रतिबंधों और स्वास्थ्य संकट (कोविड) के कारण कम हुई लेकिन मध्यप्रदेश लोगों की पहली पसंद बना। वर्ष 2022 में परिस्थितियों के सामान्य होने के साथ ही पर्यटकों की संख्या में सुधार हुआ। इसके बाद 2023 में आशा अनुरूप बढ़कर पर्यटकों की संख्या 11.21 करोड़ और वर्ष 2024 में 13 करोड़ 41 हजार तक पहुंच गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक धरोहरों का प्रदेश बन गया है। भारत के 69 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से 18 मध्यप्रदेश में है।

जेडी विमेंस कॉलेज में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

संजना भारती संवाददाता

पटना। स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पटना नगर निगम स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा शहर के जेडी विमेंस कॉलेज में स्वच्छता टॉक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम का संचालन एवं लोकगीतों की प्रस्तुति नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर डॉ. नीतू कुमारी नवगीत द्वारा किया गया। पूरे कार्यक्रम की संकल्पना कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. मीरा कुमार ने तैयार की और कॉलेज की प्रोफेसर डॉ. हिना रानी और डॉ. मंजरी नाथ तथा तान्या शर्मा ने उसे संपादित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वच्छता टॉक में कॉलेज की छात्राओं ने स्वच्छता के लिए जन भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि जब तक हर व्यक्ति स्वच्छता के प्रति जागरूक नहीं रहेगा, शहर को स्वच्छ बनाना मुश्किल रहेगा। विश्व का जो भी शहर स्वच्छ और सुंदर हुआ है, उसमें हर जन की भागीदारी रही है।

इस अवसर पर सभी ने संकल्प लिया कि अपने शहर और देश की स्वच्छता के प्रति समर्पित भाव से काम करेंगे और इधर-उधर कूड़ा-कचरा नहीं फैलाएंगे। पटना नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा दैनिक आधार पर काम किया जाता है और प्रतिदिन सैकड़ों कर्मचारी और गाड़ियां कूड़े को इकट्ठा करने के लिए घर-घर जाती हैं। उन्होंने कई स्वच्छता गीतों की प्रस्तुति करते हुए छात्राओं से अपील की कि स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रखें। स्वच्छता जीवन का मूलाधार है और बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करती है।

70 पुलिसकर्मियों व आमजन ने किया रक्तदान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। सेवा पखवाड़ा के तहत सेक्टर-1 स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर पंचकूला पुलिस की ओर से भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में इंस्पेक्टर रैंक से लेकर सिपाही रैंक तक के पुलिसकर्मियों सहित आम नागरिकों ने भी स्वेच्छा से रक्तदान किया।

कार्यक्रम की शुरूआत डीसीपी श्रीमती सृष्टि गुप्ता ने की। उन्होंने रक्तदान करने वालों से मुलाकात कर उनकी सराहना की और उन्हें असली दानवीर बताया। इस दौरान जिला उपायुक्त सतपाल शर्मा भी शिविर में पहुंचे और रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा संगठन का भी विशेष योगदान रहा, जिसमें अध्यक्ष अंकुर कपूर ने सक्रिय भागीदारी निभाई। वहीं सेक्टर-32, चंडीगढ़ स्थित सरकारी मेडिकल अस्पताल की टीम ने संपूर्ण चिकित्सकीय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर एसीपी दिनेश भी मौजूद रहे। शिविर में कुल 70 पुलिसकर्मियों और नागरिकों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। कार्यक्रम के समापन पर डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने रक्तदाताओं को सर्टिफिकेट वितरित किए और धन्यवाद व्यक्त किया।

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने कहा झ ह्लरक्तदान सेवा का सबसे सुंदर तरीका है, जो न केवल जीवन बचाता है बल्कि समाज में मानवता और भाईचारे की भावना को भी मजबूत करता है। मैं उन सभी का आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने इस नेक कार्य में भाग लेकर दूसरों के जीवन में रोशनी बिखेरने का संकल्प लिया।

विद्यालय में चलाया गया सफाई अभियान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार झा बछवाडा (बेगूसराय) स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुर एवं गुरसहाय मध्य विद्यालय रसीदपुर में सफाई अभियान चलाया गया। इसमें विद्यालय के सभी शिक्षक और छात्र शामिल थे। इस अभियान का नेतृत्व उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुर के प्रधानाध्यापक राकेश कुमार एवं गुरसहाय मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक धवल किशोर कर रहे थे। सबों ने मिलकर विद्यालय परिसर एवं आसपास के सड़क की सफाई की। साफ-सुथरा रहने से घर आंगन हो या सरकारी संस्थान हो उसका संस्कार ही अलग दिखने लगता है। साफ-सफाई रहने से इसका असर स्वास्थ्य और वातावरण पर भी पड़ता है। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ वातावरण रहने से छात्रों को पठन-पाठन पर असर पड़ता है। मौके पर निशांत कुमार,सोनम कुमारी,न्यूटन कुमार,ममता कुमारी,सचिन कुमार,दिवाकर मणि,जितेंद्र कुमार,सहित अन्य शिक्षक कर्मी मौजूद थे।

मुखिया रंजीत झा के अथक प्रयास से सड़क निर्माण शुरू

रूच घाट से उत्तरी कसरौर के सड़क निर्माण से ग्रामीणों में हर्ष

'मैं कसरौर बसौली पंचायत के स्वर्णिम विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं,मेरा प्रयास रहता है पंचायत के लोगों की जो मूलभूत आवश्यकताएं हैं जैसे सड़क, बिजली, पानी, बच्चों की शिक्षा आदि की व्यवस्था सृदृढ़ रहे'

-रंजीत झा 'गुड्डू'

मुखिया कसरौर बसौली पंचायत

एसबी संवाददाता

दरभंगा। कसरौर बसौली पंचायत के कसरौर गांव के बहुप्रतीक्षित रूचि घाट से उत्तरी कसरौर के सड़क निर्माण से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है। रुचि घाट से उत्तरी कसरौर सड़क निर्माण कार्य ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है क्योंकि ग्रामीणों को अपना वाहन लेकर रुची घाट, कोर्थु आदि जगहों पर जाने के लिए कई किलोमीटर तक अनावश्यक घुमकर जाना पड़ता था, सड़क निर्माण से ग्रामीणों के समय और पैसे की बचत होगी। वहीं कसरौर बसौली पंचायत की दुसरी महत्वाकांक्षी सड़क योजना राजकुमार डिपो से पासवान टोल तक सड़क बन जाने से आवागमन के साथ साथ ग्रामीणों के रोजगार में भी वृद्धि होगी।

वर्षों से बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण शुरू करवाने में कसरौर बसौली पंचायत के मुखिया रंजीत झा गुड्डू का महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ग्रामीणों के परेशानी को देखते हुए गुड्डू मुखिया अपने निर्वाचन के पूर्व से ही प्रयासरत थे, जब रंजीत मुखिया बने तो उन्होंने प्रदेश सरकार के जिम्मेदार लोगों से मिलकर सड़क निर्माण की मांग किए थे, आज मुखिया का बहुप्रतीक्षित सपना साकार हो रहा है।

संसदीय कार्य मंत्री ने जोधपुर के केरू में अटल प्रगति पथ का किया विधिवत शिलान्यास

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर जिला स्थित केरू में चुतरपुरी महादेव मंदिर बाग बेरा से आदर्श विद्या मन्दिर स्कूल तक अटल प्रगति पथ का निर्माण कार्य (1.7 किमी) लागत राशि 2 करोड़ रुपये का विधिवत शिलान्यास किया।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार समावेशी विकास के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा विकसित सड़क तंत्र की दिशा में डेढ़ वर्ष में 21 हजार 650 करोड़ रुपये का व्यय कर 30 हजार 381 किमी सड़कों के विकास कार्य करवाए गए। वहीं 1 हजार 381 गांवों को सड़कों से जोड़ा गया है।

श्री पटेल ने कहा चरणबद्ध रूप से 5 हजार से अधिक आबादी वाले ग्रामीण कस्बों में अटल प्रगति पथ का निर्माण करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण के तहत प्रदेश में लगभग 1600 बसावटों को चरणबद्ध रूप से आगामी 2 वर्षों में डामर सड़कों से जोड़ा जा रहा है।

विद्यांजली उत्सव का किया गया आयोजन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। गोविंद बल्लभ पंत सर्वोदय बाल विद्यालय, श्रीनिवास पुरी में विद्यांजली उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सी एस वर्मा (डीडीई, जोन-25), नालिनी (दिल्ली हेड, भारती एयरटेल फाउंडेशन), स्मिता झा (प्रधानाचार्या), जन्नत (सहसचिव स्प्रैड स्माइल्स फाउंडेशन), अर्चना शर्मा(सीआरसी) आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर चंदन मिश्रा के नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स ने आंगुतकों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

इस अवसर पर विद्यांजली कोऑर्डिनेटर सुमंत कुमार को विद्यालय द्वारा भारत वर्ष में सबसे अधिक गतिविधियां करने का रिकॉर्ड बनाने पर विशेष सम्मान मिला। साथ ही विद्यांजली स्वयंसेवकों फरीद बेग, सौरभ, हरदीप सिंह, मोनिका आदि के साथ साथ विद्यालय में अपनी सराहनीय सेवा देने वाली सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ साथ विद्यालय एस एम सी के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में एक टिंकरिंग लैब का डीडीई द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। मिस्टिक मंजिल फाउंडेशन द्वारा अपने चलते फिरते स्टूडियो से सबको परिचित करवाया। स्प्रैड स्माइल्स फाउंडेशन के सचिव अफहाम आलम के जन्मदिन पर संस्था ने 15 निगम विद्यालयों को स्टेशनरी सामग्री प्रदान की। कार्यक्रम में मौ. मिन्हाज आलम खान, रुपम, निरुपमा, संतोष मीना,आर पी मीना,सुम्मेर सिंह, रमेश यादव, दिवस मिश्रा आदि अध्यापक उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय की प्राइमरी कक्षाओं के सभी विद्यार्थियों को संस्था की ओर निःशुल्क पहचान पत्र उपलब्ध करवाये गये। इस कार्य की एस एम सी, प्रधानाचार्य तथा डीडीई द्वारा भूरि भूरि प्रशंसा की गई। इस अवसर पर स्प्रैड स्माइल्स फाउंडेशन के संरक्षक मौ मिन्हाज आलम खान से समय-समय पर विद्यालयों में अध्यापकों एवं सीनियर छात्र-छात्राओं को सीपीआर एवं फर्स्ट एड ट्रेनिंग दिलवाने में सहयोग करने के लिए कहा। जिसे संस्था प्रमुख द्वारा सहर्ष स्वीकार कर इस पर काम करने का आश्वासन दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में प्रमुख डॉ. खलीक अहमद ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद किया। इस आयोजन में सभी आंगुतकों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था स्प्रैड स्माइल्स फाउंडेशन की ओर से की गई साथ ही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था ने अहम भूमिका निभाई ।

मां रक्तदंतिका की पूजा सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय) मंसूरचक प्रखंड के गणपतौल में स्थित है। शक्तिपीठों में से एक मां रक्तदंतिका मंदिर। यहां पर शारदीय नवरात्र के अवसर पर रक्तदंतिका की पूजा का विशेष महत्व है। यहां दूर दूर से श्रद्धालु पूजा करने पहुंचते हैं।रक्तदंतिका मंदिर को लोग बड़ी दुर्गा स्थान के नाम से भी जानते हैं। पूजा समिति के अधिकारी बताते हैं कि हिन्दू व मुस्लिम पूजा को लेकर शारीरिक श्रम करते थे। इसमें मुस्लिम बुजुर्गों का आर्थिक सहयोग भी होता था। हिन्दू औरतों की तरह मुस्लिम महिलाएं भी मां के दरबार में आकर मन्नतें मांगती थी। इसी का नतीजा था कि मां रक्तदंतिका की पूजा सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल हुआ करती है।आज भी वह परंपरा चल रहा है।

मां रक्तदंतिका की पूजा सैकड़ों वर्षों से होती आ रही है।जिले के प्राचीनतम दुर्गा मंदिरों में से एक बड़ी दुर्गा माता के नाम से चर्चित रक्तदंतिका की पूजा का इतिहास काफी पुराना है।यहां लाल रंग की मूर्ति की पूजा का प्रचलन है। बताया जाता है कि तत्कालीन जमींदार गुरु प्रसाद लाल ने यह मंदिर बनवाया था। 1902 के सर्वे में दुर्गा महारानी के नाम से मंदिर के लिए जमीन बंदोबस्ती का प्रमाण मिला। लेकिन मंदिर उससे भी कहीं पुराना है। बताया जाता है कि वर्ष 1880 में मंदिर के पुनर्निर्माण के क्रम में एक भक्त को को सैकड़ों वर्ष पुराना काले पत्थर की नारी आकृति का सिर और पीतल का बड़ा दीप मिला था। काले पत्थर की मूर्ति आज भी दर्शन के लिए उपलब्ध है। इसकी प्रतिदिन पूजा और आरती होती है। वर्ष 1948 में तत्कालीन जमींदार अंबा प्रसाद ने मंदिर को स्थानांतरित कर सड़क के किनारे मूर्ति बनवाई थी।जो सप्तमी तिथि को स्वयं खंडित हो गई उस वर्ष इलाके में महामारी के रूप में प्लेग फैला था।जिसमें सैकड़ों मवेशियों और लोगों की जान चली गई। 70 के दशक से पूर्व इस मंदिर में बलि प्रदान किया जाता था। जो बाद में बंद हो गया।

कहते है पुजारी नित्यानंद झा- रक्तदंतिका की पूजा शारदीय नवरात्र में होती है। पूजा पाठ से मनोकामना पूरी होती है। नौवीं एवं दशमी को यहां भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मां की महिमा अपरंपार है।

मध्यप्रदेश की जैविक विविधताओं का हो वैश्विक प्रचार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

संजना भारती संवाददाता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पाई जाने वाली फ्लोरल एंड फौनल डायवर्सिटी (वानस्पतिक एवं जैविक विविधताओं) के बारे में प्रापर ब्रांडिंग की जाए। प्रदेश के समृद्ध वन क्षेत्रों एवं यहां के वनों में वन्य जीवों की सहज दृश्यता का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाये। इसके लिए भारतीय फिल्म डिवीजन, डिस्कवरी और अन्य चैनल्स के साथ मिलकर शॉट फिल्म्स, डाक्यूमेंटरी फिल्म, प्रमोशनल्स कैपसूल्स तैयार कर मध्यप्रदेश की वन विशिष्टताओं के बारे में पूरे विश्व को बतायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी अच्छाईयां दुनिया के सामने आनी ही चाहिए। दूसरे राज्यों को प्रदेश में उपलब्ध वन्य प्राणी अवश्य दें, परन्तु उनसे भी उनके यहां उपलब्ध वन्य प्राणी प्राप्त कर प्रदेश की वन विविधताओं को और अधिक समृद्ध करें। उन्होंने कहा कि आसाम से गेंडा या एक सींग वाला गेंडा प्राप्त करने के प्रयास किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की नदियों में मगरमच्छ, कछुआ और घड़ियाल सहित डॉल्फिन जैसे जलीय जीव मुक्त करने के लिए तैयारी करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 30वीं बैठक की अध्यक्षता कर संबोधित कर रहे थे।

बैठक में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार एवं बोर्ड के सदस्य डॉ. नारायण व्यास वर्चुअली शामिल हुए। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री वी.एन. अम्बाडे, वन्य प्राणी बोर्ड के सदस्य श्री मोहन नागर, श्री रूपनारायण मांडवे, श्री महेन्द्र सिंह चौहान, डॉ. सुदेश बाघमारे, डॉ. रविचंद्रन सहित अन्य सदस्यगण भी उपस्थित थे।

बैठक में तीन राज्यों उड़ीसा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को तीन जोड़े टाइगर देने पर गहन विचार विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन राज्यों को टाइगर दिए जा रहे हैं, उनसे उस राज्य में पाए जाने वाले वन्य जीव भी प्राप्त किए जाएं।

'आपकी गौरवशाली वर्दी का रंग भले ही बदल गया है, लेकिन कर्तव्य बोध वही रहेगा': डॉ. अरशिन्दर सिंह चावला

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस दीक्षांत परेड स्थल में रिक्रूट बेसिक कोर्स बैच नंबर-93 (पूर्व सैनिक) का दीक्षांत समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक डॉ. अरशिन्दर सिंह चावला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

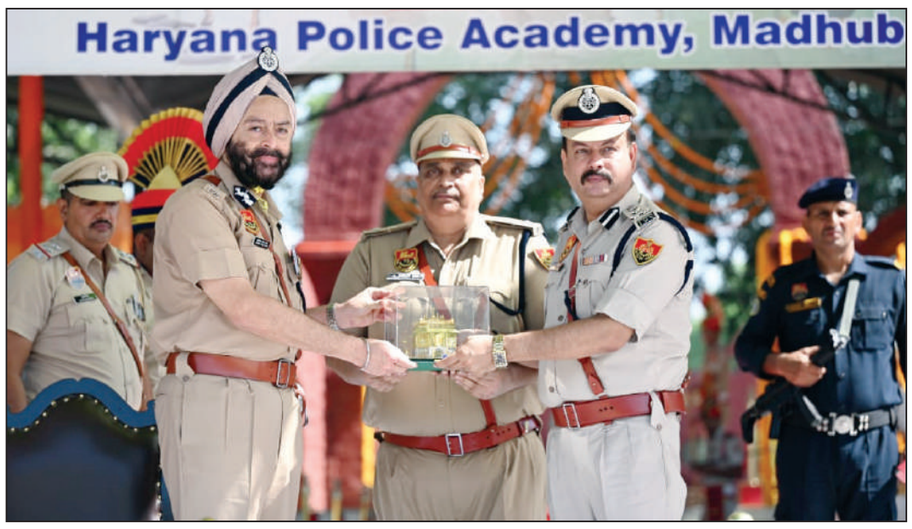

यह प्रशिक्षण 16 दिसम्बर 2024 से 26 सितम्बर 2025 तक चला, जिसमें कुल 16 पूर्व सैनिक जवानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में पुलिस अधीक्षक अकादमी श्रीमती पुष्पा ने स्वागत संबोधन एवं प्रशिक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जबकि उप पुलिस अधीक्षक नरेश अहलावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर हरियाणा सशस्त्र पुलिस मधुबन के उप महानिरीक्षक सुरिन्द्रपाल सिंह और पुलिस अधीक्षक बलजिन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। मुख्य अतिथि डॉ. चावला ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा, ह्लआपकी गौरवशाली वर्दी का रंग भले ही बदल गया है, लेकिन कर्तव्य बोध वही रहेगा झ समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करना। यह केवल सेवा का बदलाव नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का विस्तार है। भारतीय सेना में जिस त्याग, अनुशासन और निडरता से आपने सेवा दी है, वही भावना हरियाणा पुलिस में भी नागरिकों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक पुलिस प्रणाली का मुख्य उद्देश्य समाज में विश्वास, सुरक्षा और न्याय स्थापित करना है। आज शपथ लेते हुए जवानों ने देशभक्ति, ईमानदारी और निष्पक्षता से कार्य करने का जो संकल्प लिया है, उस पर खरा उतरकर हरियाणा पुलिस का गौरव बढ़ाएंगे।

इस अवसर पर बैच में प्रथम स्थान प्राप्त सिपाही कुलदीप सिंह (चतुर्थ वाहिनी), द्वितीय स्थान पर सिपाही दिनेश कुमार (पंचम वाहिनी) और तृतीय स्थान पर सिपाही दीपक (चतुर्थ वाहिनी) को मुख्य अतिथि द्वारा प्रथम श्रेणी प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में हरियाणा सशस्त्र पुलिस मधुबन के उप महानिरीक्षक सुरिन्द्रपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक बलजिन्द्र सिंह, श्रीमती पुष्पा खत्री, जिला न्यायवादी डॉ. सोहन सिंह, उप जिला न्यायवादी सुरेन्द्र कुमार, उप पुलिस अधीक्षक शरीफ सिंह व मनीषा सहित अकादमी स्टाफ, प्रशिक्षणार्थियों के परिजन और अन्य अतिथि मौजूद रहे।

डीसी प्रीति ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार लघु सचिवालय स्थित ईवीएम वेयरहाउस में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने शुक्रवार को मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम की व्यवस्थाओं लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए और फीडबैक लिया। डीसी प्रीति ने निर्वाचन विभाग के अधिकारियों को कहा कि ईवीएम वेयरहाउस की साफ-सफाई व्यवस्था को निरंतर बनाए रखें, कहीं भी कोई भी लापरवाही न बरती जाए। इसके अलावा बिजली, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों तथा आपातकालीन व्यवस्थाओं आदि के बारे में पूर्ण जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ चुनाव नायब तहसीलदार सुभाष चंद व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा अर्बन मंडल ने मां झंडेवाली सेवा समिति में किया सेवा कार्य

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत आज भाजपा अर्बन मंडल द्वारा मां झंडेवाली सेवा समिति, अर्जुन गेट में सेवा कार्य किया गया तथा माता रानी के चरणों में नमन कर आशीर्वाद लिया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे भाजपा अर्बन मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना ने कहा कि वे हर नवरात्रों में माता के दरबार में दर्शन के लिए आते हैं और माता रानी से सभी के सकुशल व स्वस्थ रहने की कामना करते हैं। मां झंडेवाली सेवा समिति के सदस्यों ने अर्बन मंडल की टीम का सम्मान किया, जिसके लिए मंडल पदाधिकारियों ने समिति का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल महामंत्री राजेश गोयल, संजीव बजाज, मदन गुज्जर, आईटी प्रमुख शिवम, रामकुमार शर्मा, विधानसभा आईटी सह प्रमुख कुश शर्मा, दीपक कुमार, केशव खुराना सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़ा के तहत कैथल पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान तेज

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला पुलिस कैथल द्वारा पुलिस महानिदेशक हरियाणा के दिशा-निर्देश और एसपी उपासना के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत पूरे जिले में विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान सभी थाना प्रभारियों व चौकी इंचार्ज द्वारा आमजन से सीधे संवाद कर उन्हें सामाजिक कुरीतियों और अपराधों से बचाव संबंधी जानकारी दी जा रही है। अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी इलाकों, विद्यालयों व कॉलेजों में जाकर नशे के दुष्प्रभाव, साइबर अपराधों से बचाव, महिला विरुद्ध अपराधों की रोकथाम, ट्रैफिक नियमों की पालना जैसे विषयों पर लोगों को विस्तार से अवगत करवाया। लोगों को बताया जा रहा है कि नशा न केवल व्यक्ति को बर्बाद करता है बल्कि पूरे परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसी प्रकार साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नए-नए तरीकों से लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई। ट्रैफिक नियमों की अवहेलना से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हेलमेट व सीट बेल्ट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना और यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। महिला सुरक्षा को लेकर भी विशेष जोर दिया गया। छात्राओं और महिलाओं को आत्मरक्षा संबंधी सुझाव दिए गए और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एसपी उपासना ने कहा कि पुलिस का मकसद केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाना भी है। नशे की लत युवा पीढ़ी को बबार्दी की ओर ले जा रही है, जिसे रोकना हम सबकी जिम्मेदारी है। साइबर ठगी से बचने के लिए किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर विश्वास न करें। महिलाएं हमारे समाज की शक्ति हैं, उनका सम्मान और सुरक्षा हर किसी का कर्तव्य है। इसके अलावा ट्रैफिक नियमों की पालना से न केवल हमारी बल्कि दूसरों की जान भी सुरक्षित रहती है।

जागरूक नागरिक ही सुरक्षित व सशक्त समाज का निर्माण कर सकते हैं। सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत जिलेभर में जागरूकता गतिविधियां लगातार आयोजित की जाएंगी। पुलिस का उद्देश्य हर वर्ग तक पहुँचकर उन्हें अपराध व सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है।

कृषि में गुणवत्ता, प्रबंधन और उद्यमिता से ही भारत बनेगा विश्वगुरु: वीरेन्द्र सिंह बढखालसा

संजना भारती संवाददाता

करनाल। हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेन्द्र सिंह बढखालसा ने कहा कि कृषि में गुणवत्ता, प्रबंधन और उद्यमिता से ही भारत बनेगा विश्वगुरु बनने के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। वर्ष 2047 तक भारत को विश्व शक्ति और विश्वगुरु बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि क्षेत्र में मौलिक बदलाव व उद्यमिता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

ओएसडी वीरेन्द्र सिंह बढखालसा शुक्रवार को गुरूवचन सिंह फाउडेंशन एजुकेशन व डेवलपमेंट सेंटर में हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय कृषि उद्यमिता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए उद्यमी किसानों द्वारा लगाई स्टॉल्स का अवलोकन किया और किसानों के उनके द्वारा बनाए उत्पादों की जानकारी ली। इस कार्यक्रम में उद्यमी किसानों व कृषि विशेषज्ञों द्वारा कृषि तकनीकों पर अपना विचार सांझा किए।

इस अवसर पर ओएसडी वीरेन्द्र सिंह बढखालसा ने कहा कि किसान को उद्यमी बनाने के लिए उसे केवल तकनीकी कौशल ही नहीं, बल्कि सॉफ्ट व्यवहारिक कौशल की भी आवश्यकता है। किसान को अपने उत्पाद की मार्केटिंग करनी आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बीज से बाजार तक की यात्रा को खेत से पेट तक की यात्रा बनाना होगा। इसके लिए मार्केटिंग के फंडे, उत्पादों के गुण-दोष बताने की क्षमता और बात कहने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास की पहली शर्त कनेक्टिविटी है।

हरियाणा में सडकों का शानदार जाल बिछाया गया है जो प्रदेश को सेक्टरों में काटता है। इस बेहतर बुनियादी ढांचे का लाभ किसानों को उद्यमिता की ओर बढ़ने के लिए उठाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के प्रतिनिधि कवींद्र राणा ने कहा कि किसानों को कृषि को केवल जीविका नहीं, बल्कि एक पेशेवर उद्यम

के रूप में देखना चाहिए। किसानों में एक हीन भावना घर कर गई है कि मेरा बच्चा किसान न बने।

इस मानसिकता के कारण वे अपने व्यवसाय को अच्छा नहीं मानते और इसे छोड़ने की प्रवृत्ति रखते हैं, जिसका सीधा असर कृषि के विकास पर पड़ता है। सरकार द्वारा बजट में भारी सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाएं दीं, लेकिन इसके बावजूद आज किसान आर्थिक रूप से संकट में है। उन्होंने कहा कि जब तक किसान अपनी खेती को एक अन्य व्यवसाय के रूप में नहीं देखता और उद्यमशीलता के साथ आगे नहीं बढ़ता, तब तक वह प्रगति नहीं कर पाएगा। इस अवसर पर हरियाणा के कृषि मंत्री के बेटे नेपाल सिंह राणा ने कहा कि कृषि उद्यमिता और बेहतर ग्रामीण बुनियादी ढाँचा ही विकसित राष्ट्र का मार्ग है विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कृषि और ग्रामीण विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि कृषि को अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना गया है। हरियाणा में कृषि से सौ प्रतिशत परिवारों की आजीविका चलती है। उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढाँचा विशेष रूप से सडकों का विकास, अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में पहुंचने पर हरियाणा किसान कल्याण प्रधिकरण के सीईओ डा. आर.एस.चौहान द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर गुरूवचन सिंह फाउडेंशन एजुकेशन व डेवलपमेंट सेंटर से डॉ. गुरबचन सिंह, कौल केंद्र के प्रिंसिपल ओपी चौधरी, भाजपा कार्यकर्ता राजेश पाढ़ा सहित प्रदेश भर से आए उद्यमी किसान व कृषि विशेषज्ञ मौजूद रहे।

समाधान शिविर में आई शिकायतों का जल्द करवाएं समाधान: नगराधीश गुरविंद्र सिंह

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। नगराधीश गुरविंद्र सिंह ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर की समीक्षा बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले राज्यस्तर पर हुई साप्ताहिक बैठक में समस्याओं के समाधान को लेकर कैथल जिले की सराहना हुई। नगराधीश गुरविंद्र सिंह ने कहा कि समाधान शिविरों में आई शिकायतों के निवारण में तेजी लाएं, ताकि प्रदेश में पहले स्थान पर रहे। कोई भी शिकायत लंबित न रखी जाए। यदि किसी भी समस्या का समाधान करने में कोई समस्या आ रही है तो तुरंत मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाया जाए। सभी अधिकारी आपसी तालमेल के साथ ओर अधिक मेहनत करें। बेहतर प्रफोरमेंस के स्टेटस को बरकरार रखें। समाधान शिविरों में आई शिकायतों का तुरंत समाधान करके गुणवत्तापूर्वक एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) अपलोड करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुने। जरूरतमंद व्यक्ति अपनी समस्या आपके समक्ष रखता है, तो अच्छे व्यवहार से समस्या का समाधान करवाएं, ताकि शिकायत कर्ता पूरी तरह से संतुष्ट हो। इसके अलावा जन संवाद, सीएम विंडो पर आने वाले शिकायतों की भी विभाग अनुसार समीक्षा की और इन शिकायतों के जल्द निपटान को लेकर संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए। इस मौके पर जिला परिषद के सीईओ सुरेश रावश, एसडीएम अजय सिंह, डीएसपी वीरभान, डीआरओ चंद्र मोहन, एक्सईएन वरुण कंसल, सुरेंद्र सिंह, मार्केटिंग बोर्ड के एक्सईएन सतपाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा, स्वास्थ्य, एमएसएमई क्षेत्रों में स्टार्ट-अप आइडिया से देश के विकास में योगदान दे आईआईएम स्टूडेंट्स-डीसी प्रीति

रोहतक आईआईएम के एमबीए स्टूडेंट्स से डीसी प्रीति ने की बातचीत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि आईआईएम जैसे संस्थान में पढ़ रहे विद्यार्थी शिक्षा, स्वास्थ्य, एमएसएमई जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में स्टार्टअप आइडिया से देश के विकास में योगदान दें। सरकार द्वारा चलाई जा रही स्टार्ट अप इंडिया जैसी योजनाओं की सहायता से विद्यार्थी अपने आइडिया को विकसित करें और आम जन-जीवन में सुधार की दिशा में काम करें तो निश्चित तौर पर देश के विकास में अहम योगदान दे पाएंगे। कैथल जिले में पराली प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहे एमएसएमई जैसे छोटे व्यवसायों का अध्ययन कर वे बड़े उद्योगों के लिए किस तरह से ईंधन तैयार हो सकता है, इसकी जानकारी जुटा सकते हैं। जो भविष्य में परंपरागत ईंधन के साधनों का विकल्प बन सकता है।

डीसी प्रीति शुक्रवार सुबह लघु सचिवालय स्थित सभागार में भारतीय प्रबंधन संस्थान(आईआईएम), रोहतक से आए 14 विद्यार्थियों के समूह से बातचीत कर रहीं थीं। ये विद्यार्थी सोमवार से कैथल के भ्रमण पर हैं। इन्होंने कैथल में एमएसएमई, ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर, शहर में यातायात व्यवस्था सहित जिले के सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश का अध्ययन किया। बच्चों ने डीसी प्रीति के साथ अपने अनुभव भी साझा किए।

अपने संदेश में डीसी प्रीति ने कहा कि इस तरह के भ्रमण से बच्चों को काफी कुछ सीखने को मिलता है। डाटा तो उन्हें ऑनलाइन अधिकृत साइट से मिल ही जाता है, लेकिन लोगों से बातचीत कर जो अनुभव मिलता है, वह सीख ताउम्र काम आती है। कृषि आधारित कैथल जिले का भ्रमण कर बच्चों ने जो सीखा है, उसे वे अपनी पढ़ाई में प्रयोग कर सकते हैं कि कैसे छोटे शहरों में एमएसएमई, यातायात व्यवस्था, विकसित होते ग्रामीण परिवेश में लोगों की दिनचर्या रहती है। उन्होंने कहा कि आईआईएम जैसे संस्थान में पढ़ते हुए न केवल इस तरह की योजनाबद्ध भ्रमण बल्कि विद्यार्थी अचानक भी लघु उद्योगों का भ्रमण करें। पता लगाएं कि पराली प्रबंधन कर रहे छोटे उद्योगों को बीमा, बैंकिंग संबंधी क्या परेशानियां हैं और वे कैसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उनकी मदद के लिए सरकार द्वारा जो योजनाएं चलाई जा रही हैं, इन योजनाओं से कैसे देश आगे बढ़ रहा है। डीसी प्रीति ने कहा कि कैथल सहित हरियाणा के गांव तेजी से विकसित हो रहे हैं। जिसका बड़ा कारण यहां दिल्ली, चंडीगढ़, गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों तक आसान यातायात सुविधाएं, सड़क मार्ग भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भावी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

वहीं बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कैथल के भ्रमण से उन्हें अनुभव हुआ है कि हरियाणा के गांव अन्य राज्यों की तुलना में अधिक विकसित हैं। यहां साफ-सफाई पर विशेष ध्यान हैं। स्कूलों में स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं हैं। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं भी काफी अच्छी हैं। बच्चों ने यह भी कहा कि यहां एमएसएमई के माध्यम से लोग अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहे हैं। मुख्य रूप से लोगों का व्यवहार काफी अच्छा रहा।

लड़की होने के बावजूद नहीं आई कोई परेशानी-बेंगलुरु से आई सीजल ने कहा कि उन्हें काफी अच्छा लगा कि वह एक लड़की होने के बावजूद गांव में भ्रमण करने गई। लोगों से बातचीत की। यहां बेटियों की सुरक्षा संबंधी कोई परेशानी नजर नहीं आई। लोग काफी सकारात्मक रुख से मिले और स्वागत किया। इसी प्रकार से अन्य विद्यार्थियों ने कहा कि यहां भ्रमण में न केवल लोगों से बातचीत की, बल्कि महिलाओं व लड़कियों ने भी खुलकर उनके सवालों के जवाब दिए। यहां लोग काफी सहयोगी हैं और उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। अधिकारियों, ओहदेदारों के साथ-साथ आमजन से बातचीत का अवसर मिला और काफी कुछ सीखने को मिला। यहां के गांव काफी विकसित हैं। महिलाएं भी काफी सशक्त स्थिति में हैं। गांवों में लाइब्रेरी होना यहां काफी अनुभव रहा। सीईओ जिला परिषद ने कहा कि डीसी प्रीति के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के भ्रमण के दौरान प्रयास किया गया कि किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने मार्गदर्शन के लिए डीसी का आभार जताया। वहीं बच्चों ने डीसी को स्मृति चिन्ह देकर आभार भी प्रकट किया।

इस मौके पर भारतीय प्रबंधन संस्थान(आईआईएम), रोहत्तक से कोर्डिनेटर उत्तम के नेतृत्व में तमिलनाडु की पवित्रा, पश्चिम बंगाल की इशिका व मुस्कान, मध्य प्रदेश की महक व शिवानी, तेलंगाना की दिव्या, जम्मू के चितवन, अहमदाबाद से वत्सल, बिहार से मलिका, गुजरात से दीप, कर्नाटक से सेजल, महाराष्ट्र से अनूज, राजस्थान से नरेश, बिहार से दिवांशु शामिल रही। इस अवसर पर डीआईपीआरओ नसीब सैनी, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने एन.डी.आर.आई. करनाल का दौरा किया

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उत्तर प्रदेश सरकार के पशुपालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य विभाग के प्रमुख सचिव श्री मुकेश कुमार मेश्राम (आईएएस) ने आज भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल का दौरा किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं कुलपति डॉ. धीर सिंह ने एन.डी.आर.आई. की उपलब्धियों, अनुसंधान कार्यों, शैक्षणिक कार्यक्रमों और किसानोन्मुख गतिविधियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। अपने भ्रमण के दौरान श्री मेश्राम ने पशुधन अनुसंधान केन्द्र, मॉडल डेयरी संयंत्र, पशु जैव प्रौद्योगिकी प्रभाग तथा राष्ट्रीय दुग्ध गुणवत्ता एवं सुरक्षा संदर्भ केन्द्र का अवलोकन किया। उन्होंने एन.डी.आर.आई. को देश में दुग्ध अनुसंधान एवं शिक्षा का आदर्श संस्थान बताते हुए कहा कि यहाँ विकसित प्रौद्योगिकियाँ किसानों और दुग्ध उद्योग दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। प्रमुख सचिव ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि उत्तर प्रदेश के पशुपालन विभाग और एन.डी.आर.आई. के बीच घनिष्ठ सहयोग और साझेदारी स्थापित की जानी चाहिए, ताकि राज्य के पशुधन क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि आवारा पशुओं के प्रभावी उपयोग हेतु प्रजनन, स्वास्थ्य प्रबंधन और संतुलित आहार पर आधारित प्रौद्योगिकियों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।

इस अवसर पर डॉ. धीर सिंह ने आश्वासन दिया कि एन.डी.आर.आई. पशुपालन क्षेत्र के सतत विकास हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है और उत्तर प्रदेश के अधिकारियों एवं किसानों को वैज्ञानिक दुग्ध पशु प्रबंधन की उन्नत तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।